(d) the annual profits of the banks?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI MAGANBHAI BAROT): (a) 12 Foreign banks are operating in India now.

(b) and (d): Total deposits and profits of foreign banks in the country during the years 1976, 1977 and 1978 are given below:

| Year | Deposits (including inter-Bank deposits) | Profits (Rs. in lakhs) |
|---|---|---|
| 1976 | 95,362·32 | 736·53 |
| 1977 | 102·831,00 | 529·58 |
| 1978 | 114,678·93 | 579·54 |

Figures for the year 1979 are not yet available.

(c): The number of branches of foreign banks (Statewise) are given below:

| State/Union Torritory | Number of branches |
|---|---|
| Andhra pradesh | 2 |
| Assam | 1 |
| Delhi | 18 |
| Goa | 1 |
| Himachal pradesh | 1 |
| Jammu & Kashmir | 1 |
| Karnataka | 1 |
| Kerala | 4 |
| Maharashtra | 36 |
| Punjab | 3 |
| Tamil Nadu | 11 |
| Uttar Pradesh | 2 |
| West Bengal | 46 |
| TOTAL | 127 |

**Romanian Aid for Big Projects**

3866. SHRI GADADHAR SAHA: Will the Minister of COMMERCE be pleased to state:

(a) whether his attention has been drawn to the news-item appeared in the *Economic Times* dated 20th June, 1980, captioned "Romanian Aid for big Projects";

(b) if so, what are the Projects that are being set up in our country with Romanian Aid and location of some of the projects;

(c) whether any Projects in the field of locomotive, wagon building, fertilizer plant are also included therein; if so, the context, and nature of these offers; and

(d) if there is any proposal under consideration for Indo-Romanian joint venture Projects both in the private and public sectors like one in "Rolling Mill being set up at Zambia", if so the details of such Projects?

THE MINISTER OF COMMERCE AND STEEL AND MINES (SHRI PRANAB MUKHERJEE) (a): Yes, Sir.

(b) and (c). Ten projects/units have already been set up in various fields in India under Indo-Romanian collaboration arrangements. However, no concrete proposals for setting up projects in India for wagon building, locomotives or fertilizer plants have so far been received from Romania.

(d) There is no proposal under consideration for setting up Indo-Romanian joint ventures abroad.

**विमानों के उड़ान कार्यक्रम के बारे में शिकायतें और सुझाव**

3867. श्री नरसिंह मकवाना : क्या पर्यटन और नागर विमानन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) उड़ान कार्यक्रम पिछली बार किस तारीख को तैयार किया गया था ;

(ख) नई समय सारणी तैयार किये जाने के पश्चात् किस प्रकार की शिकायतें और सुझाव प्राप्त हुए हैं और सरकार का इस बारे में क्या कदम उठाने का विचार है; और

(ग) क्या सरकार का विचार वर्तमान समय सारणी में कुछ परिवर्तन करने का है ?

**पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री चन्दूलाल चन्द्राकर)** : (क) इंडियन एयरलाइन्स तथा एयर इंडिया के परिचालनों की वर्तमान समयावलियां क्रमशः 15 अप्रेल, 1980 तथा 1 जून, 1980 से लागू है।

(ख) और (ग) नई समय-सारणी तैयार करने के बाद इंडियन एयरलाइन्स तथा एयर इंडिया द्वारा प्राप्त शिकायतें और सुझाव इस प्रकृति के हैं :—

(i) कुछ अधिक सघन यातायात वाले मार्गों पर क्षमता मे वृद्धि करने का सुझाव।

(ii) कुछ उड़ानों की वर्तमान समय-सारणी में सुधार करने के अनुरोध।

(iii) कुछ महत्वपूर्ण शहरों के बीच नई विमान सेवाओं के अनुरोध।

उड़ानों की वर्तमान समय-सारणी में सुधार करने और कुछ अधिक सघन यातायात वाले मार्गों पर क्षमता में वृद्धि करने की व्यवहार्यता पर शीतकालीन समय-सारणी में विचार किया जा रहा है, जो 1 नवम्बर, 1980 से लागू होगी। उस समय तक इंडियन एयरलाइंस के विमान-बेड़े में कुछ अतिरिक्त विमान शामिल हो जाएंगे। एयर इंडिया के विमान-बड़े में पहले ही वृद्धि की जा चुकी है।

**ओरियन्टल फायर एण्ड जनरल इंश्योरेन्स कम्पनी में पदोन्नति**

3868 **श्री रामलाल राही** : क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या ओरियन्टल फायर एण्ड जनरल इंश्योरेन्स कम्पनी में कुछ ऐसे कर्मचारियों की पदोन्नति की गई है जिनके विरुद्ध केन्द्रीय जांच ब्यूरो द्वारा जांच की जा रही थी ; और

(ख) यदि हां, तो उन्हें ऐसे समय में पदोन्नत किये जाने के क्या कारण हैं जब कि जांच चल रही थी तथा इस सम्बन्ध में तथ्यात्मक ब्यौरा क्या है ?

**वित्त मंत्रालय में उपमंत्री (श्री मगनभाई बारोट)** : (क) जी, हां।

(ख) ओरियेंटल फायर ऐण्ड जनरल इंश्योरेंस कम्पनी लिमिटेड ने सूचित किया है कि दो कर्मचारियों की पदोन्नति उस समय की गई थी जब कि उनके खिलाफ मुकद्दमे चल रहे थे। इन कर्मचारियों द्वारा की गई अनियमितताएं उस अवधि की थीं, जिसके दौरान वे जुपिटर जनरल इंश्योरेंस कम्पनी लिमिटेड में काम कर रहे थे, जिसे राष्ट्रीयकरण के बाद ओरियेंटल फायर ऐण्ड जनरल इंश्योरेंस कम्पनी लिमिटेड में मिला दिया गया था। ये पदोन्नतियां इस प्रयोजन के लिए गठित की गई समिति की सिफारिश पर की गई थीं। ऐसी सूचना मिली है कि शायद समिति के सदस्यों को विचाराधीन मामलों की जानकारी नही थी क्योंकि उस समय स्वीकृति प्रदान करने से पहले पात्र प्रत्याशियों के मामले कम्पनी के सतर्कता विभाग को भेजने की प्रणाली नहीं थी। अब यह प्रणाली शुरू कर दी गई है। इसी बीच, प्रबन्धकों ने इन कर्मचारियों को स्थाई करने से संबंधित कार्रवाई रोक दी है।

**Production Based Control for Collection of Excise Duty**

3869. SHRI MOOL CHAND DAGA: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether following introduction of production based control for collection of Excise Duty on Excisable goods produced by manufacturers, any review of its working has been made; and

(b) if so, whether the gain to revenue has been commensurate with the additional cost to Government in enforcing production based control and the additional cost to the manufacturers in complying with the requirements of that control?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF FINANCE (SHRI MAGANBHAI BAROT): (a) Yes, Sir.

(b) The review has revealed that production in respect of large number of items registered increase after introduction of the Production Based Control. However, it has not been possible to quantify the exact gain to revenue and whether it is commensurate with the additional cost to the Government on the one hand and the additional cost to the manufacturer, if any, on the other.